

**P. S. SCIENCE & H. D. PATEL ARTS COLLEGE, KADI**

**Internal Examination**

**M. A. SEM - IV**

**[Mark : 40**

**23-3-2016]**

**Sanskrit - 405**

**[8-30 to 10-00**

**कौटिलीय अर्थशास्त्रम् - अधिकरण - २ ।**

**1. नीचेनामांथी गमे ते त्रष्टा अनुवाद समभवो. 12**

- (1) करदेभ्यः कृतक्षेत्राण्यैकपुरुषिकाणि प्रयच्छेत् ।
- (2) कोशपूर्वाः सर्वारम्भाः ।
- (3) शासने शासनमित्याचक्षते ।
- (4) उपायाः सामोपप्रदानभेददण्डाः ।
- (5) अपूर्वदेशाधिगमे युवराजाभिषेचने ।  
पुत्रजन्मनि वा मोक्षो बन्धनस्य विधीयते ॥

**2. कौटिल्यकालीन शासन व्यवस्था ज्ञप्तावो. 16**

**अथवा**

**दूकनोध लणो. (गमे ते ले)**

- (1) छिसाळ भाटे अध्यक्षोनी निमशूंक
- (2) कौटिल्यकालीन आर्थिकनीति.
- (3) जनपद निवेश
- (4) राज्यनां लक्ष्यो अने कार्यो.
- (5) नागरिकनां कार्यो.

**3. नीचेनामांथी गमे ते छ प्रश्नोना अक-ले वाक्योमां जवाळ लणो. 12**

- (1) अर्थशास्त्रना लेखकनुं नाम शुं छे ?
- (2) अर्थशास्त्रमां डेटला अधिकरण तथा अध्याय, प्रकरण अने श्लोको आवेला छे ?
- (3) अर्थशास्त्रना बीजा अधिकरणनुं नाम शुं छे ?
- (4) अध्यक्ष प्रचारमां मुख्यत्वे शेनुं निरूपण छे ?
- (5) भाषना कार्योनुं संयालन क्या अध्यायमां आवे छे ?
- (6) जनपदनो वडीवट कोष संभाणे छे ?
- (7) कौटिल्यना मतानुसार राजकीय पत्रव्यवहार केवो डोवो जोडअे ?
- (8) कौटिल्यना मते दुर्गना प्रकार ज्ञप्तावो.
- (9) कौटिल्यना मते कोशवृद्धिना उपायो ज्ञप्तावो.
- (10) कौटिल्यना मते नगरनी व्यवस्था करनार कोष छे ?